Liberté • Égalité • Fraternité
RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

MINISTÈRE
DE L'EUROPE ET DES
AFFAIRES ÉTRANGÈRES

DIRECTION GÉNÉRALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Sous-direction de la Formation et des Concours

Bureau des Concours et Examens professionnels
RH4B

# CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCÈS A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGÈRES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNÉE 2020

---

**ÉPREUVES ÉCRITES D'ADMISSIBILITÉ**

**Jeudi 19 septembre 2019**

# HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures
Coefficient : 2
Toute note inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire.
Barème de notation : composition en hindi 12 points ; traduction en français 8 points

**COMPOSITION EN HINDI**

*Composition en hindi à partir d'une question, rédigée dans cette même langue, liée à l'actualité.*
(***350 mots avec une tolérance de plus ou moins 10%)***

SUJET :

भारत के कई इलाक़ों में पानी की कमी के कारण सरकारी अधिकारियों तथा आम निवासियों को किन चुनौतियों एवं मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है ?

Liberté • Égalité • Fraternité
RÉPUBLIQUE FRANÇAISE

MINISTÈRE
DE L'EUROPE ET DES
AFFAIRES ÉTRANGÈRES

DIRECTION GÉNÉRALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Sous-direction de la Formation et des Concours

Bureau des Concours et Examens professionnels
RH4B

# CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCÈS A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGÈRES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNÉE 2020

---

**ÉPREUVES ÉCRITES D'ADMISSIBILITÉ**

**Jeudi 19 septembre 2019**

# HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures
Coefficient : 2
Toute note inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire.
Barème de notation : composition en hindi 12 points ; traduction en français 8 points

**TRADUCTION EN FRANÇAIS**

*Traduction en français d'un texte rédigé en hindi.*

TEXTE AU VERSO

**रोहिंग्या लड़की तस्मीदा भारत में रहकर जाएँगी कॉलेज**

कीर्ति दुबे बीबीसी संवाददाता, रोहिंग्या कैंप से लौटकर, बीबीसी, २३ जून २०१९

"मैं बीए-एलएलबी ऑनर्स (Bachelor of Arts - Law) करूँगी. मैं क़ानून की पढ़ाई करना चाहती हूँ ताकि ख़ुद के अधिकार जान सकूँ और लोगों के अधिकार उन्हें बता सकूँ. मुझे मानवाधिकार कार्यकर्ता बनना है ताकि जब अपने देश वापस जाऊँ तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ सकूँ."

२२ साल की तस्मीदा यह बात कहती हैं तो उनकी आंखें उम्मीद से भर जाती हैं. तस्मीदा भारत में रह रहे ४० हज़ार रोहिंग्या शरणार्थियों में पहली लड़की हैं जो कॉलेज जाएँगी. उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में विदेशी छात्र कोटे के तहत फॉर्म भरा है.

दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी के किनारे बसी रोहिंग्या बस्ती में तस्मीदा टाट और प्लास्टिक से बने घर में माता, पिता और एक भाई के साथ रहती हैं. अपने छह भाइयों की अकेली बहन तस्मीदा भारत में रोहिंग्या बच्चियों के लिए एक प्रेरणा बन गई हैं. अपनी बात में वे बार-बार म्यांमार को "हमारा देश" कहती हैं, वही म्यांमार जो इन रोहिंग्या मुसलमानों को अपना नागरिक नहीं मानता.

कॉलेज तक पहुँचने की लड़ाई तस्मीदा के लिए आसान नहीं रही. वे छह साल की उम्र में म्यांमार छोड़कर बांग्लादेश आ गईं लेकिन जब हालात बिगड़े तो भारी सँख्या में रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश आने लगे. बिगड़ते हालात को देखते हुए तस्मीदा के परिवार ने साल २०१२ में भारत में शरण ली.

अपने देश से निकलकर दो देशों में शरण लेना और अपनी कहानी बताते हुए तस्मीदा कहती हैं, "हमारे दादा जी और पुरानी पीढ़ियों के पास नागरिगता थी लेकिन शिक्षित न होने के कारण उन लोगों ने अपने अधिकार नहीं जाने और यह नहीं सोचा कि हमारी आने वाली पीढ़ी का क्या होगा. अब हम दर-दर की ठोकर खा रहे हैं. हम इस दुनिया के तो हैं लेकिन किसी देश के नहीं हैं."

"मुझे बचपन से डॉक्टर बनने का शौक़ था. मैं जब भारत आई तो १०वीं में दाख़िले के लिए आवेदन भरा लेकिन यहाँ मेरे पास आधार (कार्ड) नहीं था. स्कूलों में दाख़िला नहीं मिला. फिर मैंने ओपेन कैंपस से आर्ट्स का फॉर्म भरा. १०वीं पास करने के बाद मैंने ११वीं और १२वीं में राजनीति शास्त्र विषय चुना और जामिया के स्कूल में एडमिशन लिया. हर दिन मैं बर्मा की ख़बरें देखती हूँ वहाँ न जाने कितने हमारे जैसे लोगों को मार देते हैं. जला देते हैं. इसलिए मैनें सोचा कि मैं लॉ करूँ और एक मानवाधिकार कार्यकर्ता बनूँ."